

स्वनक रहे कंगना, यशोदा के अंगना ॥२॥ अरे/हैं

७ हस्स उठे, सबरे नर नारी
नाँच रहे सब, दे दे तारी

भुलाय रही ललना, ॥२॥ रसोने के पलना ॥२॥ अरे/हैं

स्वनक रहे - - - - - यशोदा के - - - - -

८ मंगल थार, कलश ले आई

नाँचत गार, बंधावा लाई

अरे! बाजी धिया, बाज रहे मुँहना ॥२॥ नाँच रहे सजना ॥२॥

स्वनक रहे - - - - - यशोदा के - - - - - अरे/हैं

९ दोलक भाँक, मंजीरा बाजे

तुँही घंटा- नंगाड़े बाजे

अरे! ले-ले-रहे नाँच रहे ॥२॥ हाथों में कुराणा ॥२॥ अरे/हैं

स्वनक रहे - - - - - यशोदा के - - - - - हाथों में कुराणा

१० पीत भगुलिया, मुलियन माला

कर धनियो है, नूपुर वाला

अरे! मुखड़ा धोती की, कसर कैसे तुलना ॥२॥ अरे/हैं

स्वनक रहे - - - - - यशोदा के - - - - -

११ बाल धोती पे, बली बली जाऊँ

चरण दोड़ प्रभु, मैं कहाँ जाऊँ

"श्री बाबा श्री" तुम्हारे ॥२॥ हमरों न तजना ॥२॥ अरे/हैं

स्वनक रहे - - - - - यशोदा के - - - - -